महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-2 अंक-16

नवम्बर, 2024

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव

कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. आयुष कुमार पाठक
2	UP-80/002/24/101	अष्टावक्र इकाई	श्री साध्वीनन्दन पाण्डेय
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	श्री अभिषेक कुमार सिंह
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कु. अभिनव सिंह राठोर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसुइया इकाई	सुश्री सुमन यादव
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता साहनी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रेयी इकाई	गरिमा पाण्डेय

राष्ट्रीय कैडेट कोर

102 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

'सेवा पथ'

'सेवा पथ' एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** एवं **'राष्ट्रीय कैडट कोर'** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **'सेवा पथ'** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पत्रिका के **'चतुर्थ संस्करण'** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **'सेवा पथ'** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **'सेवा पथ'** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **'सेवा पथ'** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

रोड सेफ्टी क्लब : पोस्टर प्रतियोगिता

रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत पोस्टर, प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांक : 12 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत पोस्टर, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय में संयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में सड़क सुरक्षा से संबंधित विषय पर छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें निर्याणक मंडल के भूमिका में रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय एवं शिक्षक डॉ. धीरेन्द्र कुमार सिंह एवं डॉ. अवेद्य नाथ सिंह श्री अनिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल ने श्रेष्ठता क्रम में प्रथम स्थान नंदनी सौरभ, द्वितीय मनीषा खैरवार एवं तृतीय खुशबु के कलाकृति को चयनित किया। प्रतियोगिता में सभी विभागों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

मिशन शक्ति चरण–5 के अंतर्गत महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं को जागरूक करती एसआई ब्यूटी सिंह

दिनांक : 18 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मिशन शक्ति चरण–5 के अंतर्गत महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि एसआई ब्यूटी सिंह, सोनी कुमारी और अजय वर्मा, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, सभी संकाय सदस्य एवं जीएनएम प्रथम वर्ष के सभी छात्राएं वहां उपस्थित थी।

इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई तथा कार्यक्रम में उपस्थित माननीय मुख्य अतिथियों ने कुछ महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में बताया जिसमें उन्होंने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया। थाना चिलुवाताल की एसआई ब्यूटी सिंह जी ने कहा मिशन शक्ति महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षा, संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार की एक योजना है जो हिंसा से प्रभावित महिलाओं और संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल और व्यापक निरंतर देखभाल, समर्थन वह मदद प्रदान करती है। एसआई सोनी कुमारी ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर (1090 एवं 112) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिला सुरक्षा जागरूकता के बारे में यह भी बताया कि कोई भी खतरा होने पर हमें नजदीकी पुलिस स्टेशन में इसकी रिपोर्ट करनी चाहिए और किसी भी साइबर धोखाधड़ी कॉल पर तुरंत पुलिस स्टेशन में आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन शॉपिंग केवल विश्वसनीय साइट से ही करें अथवा व्हाट्सएप पर उपलब्ध किसी भी लिंक का अनुसरण न करें क्योंकि वे आपके फोन और गतिविधि को हैक कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में छात्रों के शंकाओं का उत्तर दिया।

वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण

वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण के दौरान स्वयंसविकाएं

दिनांक : 20 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंर्तगत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई की जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी सुश्री कविता साहनी के देखरेख में पादरी बाजार, शिवपुर साहबजगंज, गोरखपुर में स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण किया।

जिसमें छात्राओं को वृद्धाश्रम की वृद्धाश्रम की प्रभारी सुश्री बेनेट एलएमसी ने महत्त्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया और उन्हें बताया कि इसकी आधारशिला श्री रघुनंदन सिंह टोलिया ने 12.12.1992 को रखी थी। यह एक धर्मार्थ कार्य का ट्रस्ट है जिसकी शाखाएं दुनिया भर में स्थापित हैं इसका संचालन स्थानीय लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से होता है। जिसका उद्देश्य निराश्रित लोगों को देखभाल एवं बेहतर जीवन प्रदान करना है ताकि वे बेहतर जीवन जी सकें और शांतिपूर्वक तरीके से जीवनयापन कर सकें। वृद्ध लोगों को तीन के समूह में बांटा जाता है, जहां उनकी सभी जरूरतों को पूरा किया जाता है उन्हें विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों योग, ध्यान, संगीत चिकित्सा, नृत्य, चित्रकला आदि जैसे नए कौशल सिखाए जाते हैं। छात्राओं ने उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता इत्यादि के बारे मे बताया और उनके साथ छात्राओं ने नृत्य, गायन, खेल और व्यायाम जैसे कुछ गतिविधियाँ भी की छात्राओं ने उनसे उनके जीवन अनुभव को प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

इस शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम में नेहा गोंड, नेहा कुमारी, निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिंह प्रथम, निक्की सिंह द्वितीय, निशा जायसवाल, निशा राजभर, पूजा, पूजा भारती, पूजा कुमारी, पूजा सिंह, पूनम गुप्ता, प्राची अग्रहरि, प्रतिभा मौर्य, प्रीति राजभर, प्रिया, प्रिया सिंह, प्रिया यादव, प्रियंका गुप्ता, पुष्पा सोनकर, रानी सिंह, रंजना, रेहाना खातून, रीचा सिंह, रिंशु, रोशनी जायसवाल, रोशनी पाल, साक्षी, साक्षी सिंह, संजगीता पाल, संस्कृति सिंह, सरोज गुप्ता, सालिनी पासवान, शशिकला निषाद, शीतल, शिवानी शर्मा, श्वेता यादव, सोनम, सोनी कुशवाहा, सुकन्या, सुप्रिया जायसवाल, सुस्मिता राय, स्वाति चौरसिया, तन्नू सिंह 1, तन्नू सिंह 2, यादव सिंधुजा, नगमा करीम, प्रतिभा पांडे, अंजलि आदि उपस्थित रहीं।

पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

रोड सेफ्टी क्लब द्वारा आयोजित मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थी नंदनी एवं शिवम

दिनांक : 22 नवम्बर, 2024 को सड़क सुरक्षा अभियान गोरखपुर के परिक्षेत्र द्वारा सड़क जागरूकता के लिए आयोजित मंडल स्तर भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय के नेतृत्व मे स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय एवं पोस्टर पेंटिंग मे सौरभ नंदनी ने प्रतिभाग किया एवं भाषण प्रतियोगिता में शिवम् पाण्डेय को मण्डल स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया और सौरभ नंदिनी ने पोस्टर पेंटिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया और विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया।

रोड सेफ्टी क्लब के द्वारा आयोजित इस मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर एवं देवरिया के छात्रों ने दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवां में प्रतिभाग किया। शिवम और नंदनी ने अपनी इस जीत के लिए माननीय कुलपति जी, कुलसचिव महोदय, सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल अधिकारी एवं स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह एवं सभी शिक्षक को आभार ज्ञापित किया कि विश्वविद्यालय द्वारा हम सभी को इस प्रकार के अवसर उपलब्ध कराये जाते है जिससे हम सभी इन उपलब्धियों को प्राप्त कर सकते है।

पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर 2025 बीआईटी, पटना

उपलब्धि

राष्ट्रीय सेवा योजना : पारिजात ईकाई

स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह द्वारा पटना के बी.आई.टी. कॉलेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित करते हुए माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह

दिनांक : 26 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात ईकाई के स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा पटना के बी.आई.टी. कॉलेज में दिनांक 10.11.2024 से 19.11.2024 तक 10 दिवसीय पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर–2025 में सफलतापूर्वक प्रतिभाग कर अपना उच्चतम प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। स्वयंसेवक उत्कर्ष द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने 10 दिवसीय शिविर में चयनित होने व प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

माननीय कुलपति जी ने राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई के इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए आगे भी इसी तरह कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर पूर्व औषधि निर्देशक डॉ. जी. एन. सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप

राष्ट्रीय कैडेट कोर

आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट्स

दिनांक : 16 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कैडेट अनुभव का चयन आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप, गंगा ट्रैक–बिजनौर में हुआ है। एसोशिएट एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप बिजनौर का आयोजन राज्य स्तर पर 18 नवंबर से 25 नवंबर 2024 आयोजित किया जा रहा है। जहां उत्तर प्रदेश के विविध जनपदों से चयनित कैडेट्स रोमांच साहसिक शिविर में ट्रैकिंग एडवेंचर के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे।

शिविर में कैडेट्स बिजनौर के धार्मिक एवं पौराणिक दुर्गम क्षेत्रों की ट्रैकिंग कर सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे । ट्रैकिंग के दौरान दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़, जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थित और चुनौतियों में स्वयं को तैयार करेंगे। सैन्य प्रशिक्षण के साथ ट्रैकिंग एडवेंचर प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षकों के देख रेख में ग्रहण करेंगे।

ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट अनुभव कृषि संकाय के विद्यार्थी है। जिन्होंने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में विविध प्रतियोगिताओं में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।अनुभव के प्रदर्शन के आधार पर बटालियन द्वारा ट्रैकिंग एडवेंचर प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित होने का सौभाग्य मिला।

ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट्स की सैन्य प्रशिक्षण के लिए प्रेरणा देते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जी ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता हैं। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं।

महायोगी के कैडेट्स का ट्रैकिंग कैंप में चयनित होना सौभाग्य है। ट्रैकिंग कैंप में चयनित होने पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, प्राचार्या डॉ. डी.एस.अजीथा, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामना दिया।

आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप श्रावस्ती में ट्रैकिंग करते कैडेट्स

दिनांक : 08 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कैडेट ए सार्जेंट आदित्य विश्वकर्माए और कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया का चयन आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप श्रावस्ती के लिए हुआ ।एसोशिएट एन सी सी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप श्रावस्ती का आयोजन राज्य स्तर पर 10 नवंबर से 17 नवंबर 2024 को श्रावस्ती में आयोजित किया जा रहा है। जहां उत्तर प्रदेश के विविध जनपदों से चयनित कैडेट्स रोमांच साहसिक शिविर में ट्रैकिंग एडवेंचर के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे।

शिविर में कैडेट्स भारत नेपाल बॉर्डर के दुर्गम क्षेत्रों में पहाड़ ए जंगल और शिविर में सैन्य जीवन के वातारण में स्वयं को विपरीत परिस्थित और चुनौतियों में स्वयं को तैयार करेंगे। सैन्य प्रशिक्षण के साथ ट्रैकिंग एडवेंचर प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षकों के देख रेख में ग्रहण करेंगे।

ट्रैकिंग कैंप में चयनित सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा ; संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकायद्ध और कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया ; कृषि संकायद्ध के विद्यार्थी है।
ट्रैकिंग कैंप में चयनित कैडेट्स की सैन्य प्रशिक्षण के लिए प्रेरणा देते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई जी ने कहा कि ट्रैकिंग कैंप हर सैनिक के लिए रोमांच और साहस से भरा होता हैं। शिविर में आने वाले चुनौतियों से कैडेट्स सैन्य जीवन के लिए स्वयं के विपरीत परिस्थित में ढालने का कार्य करते है जिससे अनुशासन और सैन्य प्रशिक्षण की ताप में राष्ट्र सेवा का संकल्प जागृत होता हैं। महायोगी के कैडेट्स का ट्रैकिंग कैंप में चयनित होना सौभाग्य है।ट्रैकिंग कैंप में चयनित होने पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार रावए प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तमए प्राचार्या डा डीण् एसण् अजीथाएअधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंहए डॉ शशिकांत सिंहए डॉ विमल कुमार दुबेए डॉ रोहित श्रीवास्तवए सहित सभी शिक्षको ने शुभकामना दिया।

एनसीसी ग्रुप बिजनौर और उत्तर प्रदेश निदेशालय द्वारा ऑल इंडिया ट्रैकिंग कैंप (यूपी गंगा ट्रेक) 2024 में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी बटालियन गोरखपुर के कैडेट अनुभव ने 18 नवंबर से 25 नवंबर तक बिजनौर में प्रतिभाग कर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व किया। सैन्य साहसिक शिविर बिजनौर के अनुभव को साझा करते हुए कैडेट अनुभव बताते है कि हजारों मिलो की दूरी और सैन्य दलों के साथ ट्रैकिंग एडवेंचर प्रशिक्षण ने सैन्य सेवा से जुड़ने का अदम्य साहस दिया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय शिविर बिजनौर में धार्मिक स्थल व पौराणिक स्थल (विदुर कुटी, गंगा नदी), बर्ड सेंचुरी (हैदरपुर वेटलैंड) जैसे स्थानों का भ्रमण करने का सौभाग्य मिला। ट्रैकिंग में कई तरह की चुनौतियाँ शामिल हो सकती हैं, जैसे खड़ी चढ़ाई, उतरना, नदी पार करना और घने जंगलों से होकर गुजरना कुशल उस्तादों की देख रेख में आसान हो जाता है। विपरित परिस्थितियों से बचने के लिए सभी कैडेट्स को अलग– अलग टुकड़ी में बाट दिया जाता है टुकड़ी का सीनियर कैडेट्स पूरे समूह को उस्ताद के दिशा निर्देश पर कुच करवाता है अलग–अलग मौसम में हर स्थिति परिस्थिति के लिए स्वयं को तैयार रखना हर कैडेट्स के लिए आवश्यक होता हैं। मैप रीडिंग में स्थलों की पहचान, दुर्गम क्षेत्रों में जंगल, पहाड़, नदी, नाले, मंदिर और अन्य कंक्रीट उबर खाबड़ स्थलों की पहचान एक कैडेट्स को उस्ताद के मार्गदर्शन में सिखाया जाता है ग्राउंड स्तर पर ट्रेनिंग के बाद ट्रेकिंग के लिए कैडेट्स को मानसिक, शारीरिक रूप से स्वस्थ रखा जाता है जिससे विपरीत परिस्थित में कैडेट्स बिना घबराए किसी भी चुनौती या बाधा को पार कर जाए। कैंप न केवल शारीरिक चुनौतियाँ प्रदान करता है,बल्कि शांति, उपलब्धि और आत्म–खोज के क्षण भी प्रदान करता है। ट्रेक के दौरान बनाई गई यादें अक्सर जीवन भर के लिए संजो कर रखी जाती हैं। मार्ग के आधार पर, ट्रेकर्स को स्थानीय समुदायों के साथ बातचीत करने, उनकी संस्कृति, परंपराओं और आतिथ्य का अनुभव करने का मौका मिलता है। विश्वविद्यालय कैंपस में ट्रेनिंग और कैप किए गए प्रदर्शन के आधार पर ट्रैकिंग कैंप में चयनित होने का सौभाग्य मिला। 102 यू पी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी, एसोशिएट एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, जेसीओ सूबेदार धरेश माने सर और सभी पी आई स्टाफ ने हर समय मनोबल ऊंचा रखने की प्रेरणा दिया। गंगा टैगिंग शिविर में सम्मिलित होने का सौभाग्य कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जीए कुलसचिव डॉ .प्रदीप राव जी, अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशि कांत सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव सर सहित सभी गुरुजनों के आशीर्वाद ने नई ऊर्जा और प्रेरणा दिया।

–अनुभव (कैडेट)

साहस, रोमांच और युद्ध कौशल को समर्पित आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप श्रावस्ती में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू पी बटालियन गोरखपुर से सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा और मुझे (कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया) सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। विश्वविद्यालय में एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सर और सीनियर्स सागर जायसवाल के कुशल मार्गदर्शन में ग्राउंड पर परेड की बारीकियों को सीखकर साहसिक शिविर में जाना रोमांचकारी पल रहा। जहां पूरे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के चयनित कैडेट्स को एक साथ संवाद कर साथ सैन्य प्रशिक्षण लेना था। 10 नवंबर से 17 नवंबर 2024 तक बनवारी देवी अशोक स्मारक महाविद्यालय घोघवा कला सिरसिया श्रावस्ती में शिविर की भोर और सांझ की व्यस्था एक चुनौती के साथ हर दिन कुछ नया सीखने की प्रेरणा देता हैं।

10 नवम्बर को गोरखपुर रेलवे स्टेशन से हवालदार नारायन सर के नेतृत्व में गोरखपुर के ट्रैकिंग कैडेट्स ने गुरु गोरक्षनाथ के उद्घोष से यात्रा शुरू किया। गोरखपुर से बलरामपुर रेल मार्ग और वहां से श्रावस्ती सड़क से द्वारा बनवारी देवी अशोक स्मारक महाविद्यालय घोघवा कला सिरसिया श्रावस्ती कैंप में रात्रि 9 बजे कैंप मे रिपोर्ट किया गया। शिविर में विश्राम स्थल की साफ–सफाई कर भोजन कर अगली सुबह के लिए तैयार होना एक टास्क होता है ।

ट्रैकिंग रूट पर निकलने से पहले पूरी टीम को छोटी छोटी टुकड़ी में बाटकर नक्शे के माध्यम से रूट को उस्तादों ने समझाया रास्ते में आने वाले कठिनाइयों में सुरक्षित बच कर निकलने की हिदायत ने हम सभी को अंदर से मजबूत बनाने में सहयोग किया। ट्रैकिंग रूट में भारत नेपाल बॉर्डर एरिया में भैंसाही नाका में जमीन से 1000 फिट की ऊँचाई पर जाना रोमांच और जोश से भरा एडवेंचर रहा। दूसरे एडवेंचर में बुद्ध बिहार मन्दिर और अंगुलीमाल डाकू का गुफ़ा (श्रावस्ती), बाबा विभूतिनाथ मन्दिर, रजियाताल, सोनपथरी नाका के दर्शनीय और रमणीय स्थानों को देखना अद्भुत यात्रा में सम्मिलित रहा।

ट्रैकिंग के अगले दिन रामपुरवा बांध से हम सभी भैंसाही नाका की चोटी (भारत–नेपाल बार्डर) पर यसएसबी जवानों के साथ ट्रैकिंग हुआ। भैंसाही नाका की पर्वतीय चोटी को अपने कैमरे में सभी ने संजोया। रास्ते मे जंगल के बीच भारतीय जवानों के बेस कैंप में रुकने का अवसर मिला। किस तरह जंगल पहाड़ पर हमारे सैनिक सीमा की सुरक्षा करते है उसे देखना और उनके प्रति सम्मान और आदर का भाव जागृत हुआ।दिन भर के ट्रैकिंग के साथ सैन्य प्रशिक्षण और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हमारे दिनचर्या में शामिल था। यात्रा में अपने घायल साथी को अपने पीठ पर लाद कर सुरक्षित कैंप तक लाना, एक दूसरे का ख्याल रखना, ट्रैकिंग में आने वाली चुनौतियों का सामना करना और अपने उस्ताद के आदेश का पालन करना, विपरीत परिस्थित में भी स्वयं की हर समय तैयार रखना शिविर का अभिन्न हिस्सा होता है । जय हिन्द!

–अभिषेक चौरसिया,(कार्पोरल)

अतिथि व्याख्यान

राष्ट्रीय कैडेट कोर

डॉ. शैलेश कुमार सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए डॉ. संदीप श्रीवास्तव एवं स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए डॉ. शैलेश कुमार सिंह

दिनांक : 26 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा भारतीय संविधान दिवस पर भारतीय संविधान! 'देश की महान सांस्कृतिक विरासत का जयघोष' आयोजित व्याख्यान में मुख्य व्याख्याता डॉ. शैलेश सिंह सहायक आचार्य विधि विभाग दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व के श्रेष्ठ संविधानों में से एक है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतांत्रिक प्रणाली के संचालन में भारत ने अपनी दक्षता और परिपक्वता का सतत प्रदर्शन किया है। सर्वोच्च न्यायालय के प्रतीक चिह्न में अंकित आदर्श वाक्य 'यतो धर्मस्ततो जय।' यह सूक्ति श्रीमद्भागवद्गीता से उद्धृत है। संविधान की पृष्ठभूमि में भारतीय विचारों व मूल्यों की आधार भूमि है। अपना संविधान राष्ट्र की ही अभिव्यक्ति है इसकी प्रस्तावना वास्तव में भारतीयता की आत्मा है।

व्याख्यान से पूर्व मुख्य व्याख्याता डॉ. शैलेश कुमार सिंह, एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, ने मां शारदे, गुरु गोरक्षनाथ जी के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर भारतीय संविधान दिवस का उद्घाटन किया। एन.सी.सी. कैडेट ने विश्वविद्यालय कुलगीत और मां शारदे का आह्वाहन कर वंदन किया। एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने अतिथि डॉ. शैलेश कुमार सिंह जी को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेट कर सम्मानित किया।

व्याख्यान विषय भारतीय संविधान! 'देश की महान सांस्कृतिक विरासत का जयघोष' पर केंद्रित होते हुए डॉ. शैलेश सिंह ने कहा कि शायद हम सब भारत के संबिधान को पश्चिमी चश्मे से देखते रहे है, किंतु उसका वास्तविक चरित्र भारतीय संस्कृति पर आधारित है।

भारत की स्वतंत्रता के बाद भारत के संविधान निर्माताओं ने वर्षों की बौद्धिक परतंत्रता और दासता को मिटाकर जिस भारतीय राजनीति को एक सर्वप्रिय और वैश्विक स्वरूप प्रदान करने की कोशिश की, उसे गहराई से समझना आवश्यक है।

भारत की स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इस प्रसंग में भारतीय संविधान की पोथी पर ध्यान जाना स्वाभाविक है। भारत की उत्कृष्ट मेधा के 288. 299 प्रतिनिधियों ने हमारे संविधान की संरचना की। यह विश्व के श्रेष्ठ संविधानों में से एक है। इसकी सफलता और सार्थकता का प्रामाणिक साक्ष्य यही है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतांत्रिक प्रणाली के संचालन में भारत ने अपनी दक्षता और परिपक्वता का सतत प्रदर्शन किया है।

सामान्य अर्थों में संविधान, साहित्य के समान सरस विषय नहीं होता। यह तो राष्ट्र के विधि–विधान, आचरण, मान–मूल्य–मर्यादा, करणीय–अकरणीय का निदर्शन करता है। इस शब्द–सत्ता में हस्तक्षेप किए बिना, उस पर भारतीय संस्कृति व सभ्यता की शीतल छाया आच्छादित करने का कार्य भारत के शीर्ष कलाविदों ने किया है। शांति निकेतन के कला–आचार्य नंदलाल बसु ने भलीभांति इस दायित्व का निर्वहन किया। उनके सुयोग्य शिष्य जबलपुर के व्यौहार राममनोहर सिन्हा इसमें सहयोगी थे। संविधान सभा के सदस्य कीर्तिशेष हरिविष्णु कामथ से प्राप्त संविधान की प्रथम मुद्रित प्रति के अवलोकन से सहज ही आभास हो जाता है कि यह साज–सज्जा का प्रकरण ही नहीं है। प्रकृति–आराधक भारत की आत्मा कलाकारों की कूचियों के माध्यम से उभरी है। आरंभ में ही सारनाथ के 'अशोक स्तम्भ' की छवि को उकेरा गया है। 'सिंह की त्रिमूर्ति' और 'सत्यमेव जयते' के उद्घोष के साथ, जिसे भारत ने राष्ट्रीय आदर्श के रूप में अंगीकार किया है। इसे भारतीय वाङ्मय के 'मुण्डकोपनिषद' से लिया गया है। प्रथम पृष्ठ पर मोहन–जोदड़ो काल के 'वृषभ' का रेखांकन सिंधु घाटी की सभ्यता का प्रतीक है। तृतीय पृष्ठ पर वैदिक काल के 'गुरुकुल' का दृश्यांकन प्रकारांतर से भारत की महान सांस्कृतिक विरासत का जयघोष है।

पृष्ठ छह पर उभरते रामायण काल में भगवान श्रीराम की लंका विजय के उपरांत सीताजी की मुक्ति का रेखांकन है।

पृष्ठ–17 पर 'महाभारत' का वह विलक्षण दृश्य है जहां कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण किंकर्त्तव्यविमूढ़ अर्जुन को गीता का उपदेश दे रहे हैं।

पृष्ठ–20 पर ध्यानमग्न तथागत 'बुद्ध' और उनके शिष्य, तो पृष्ठ–63 के चित्रांकन में 'तीर्थंकर महावीर' द्रष्टव्य हैं। प्रत्येक अध्याय के आरंभ मे ऐसे रेखाचित्रों का समावेश है। इनमें संस्कृति के साथ–साथ जागृत इतिहास–बोध भी है।

डॉ. शैलेश ने कहा कि

भारतीय संविधान में आधुनिक काल की परिघटनाएं भी संविधान की पोथी पर उकेरी गई हैं। ये कालक्रम को अद्यतन बनाती हैं। ऋषि मनीषा द्वारा प्रसूत वाङ्मय की सूक्तियां भारत का पथ प्रदर्शन करती हैं। समरसता, समन्वय, सामंजस्य, सह–अस्तित्व के बोध से सराबोर भारतीय संस्कृति सबके कल्याण की कामना में भरोसा रखती है।

सर्वोच्च न्यायालय के प्रतीक चिह्न में आदर्श वाक्य अंकित है।

'यतो धर्मस्ततो जय।' यह सूक्ति श्रीमद्भागवद्गीता से उद्धृत है। हमारी संस्कृति का आदिकालीन संदेश है 'वसुधैव कुटुम्बकम' समस्त वसुधा एक कुटुम्ब के समान है। तथाकथित आधुनिक सभ्यता वाले मानवता को खानों में बांटते हैं।

भारतीय संस्कृति सिखाती है. 'आत्मवत् सर्वभूतेषु'

उन्हें रास्ता 'ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम' (जीपीएस) दिखाता है। भारतीय मनीषा कहती है 'महाजनो येन गतः स पंथः' एनसी सी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःख भाग्वतेत।'

आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिकता के फेर में मूल मानवीयता की अनदेखी न हो। नया ज्ञान–विज्ञान सहर्ष स्वीकार। साथ ही अपनी संस्कृति पर गर्व करें और मन–वचन–कर्म में उसका अनुसरण करें। आधुनिकता का तात्पर्य अपनी जड़ों से कटना नहीं होता।

राष्ट्र की वर्तमान राजनीतिक भावना को भारत की हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति और उसके प्रतीकों के साथ भी जोड़ा जाए तभी इस राष्ट्र की विशेषता को विश्व समुदाय पहचान पाएगा। हम सब यह जानते हैं कि राष्ट्र केवल एक भौगोलिक या राजनीतिक इकाई ही नहीं होता। राष्ट्र सबसे पहले व्यक्ति की चेतना में पैदा होता है। उस राष्ट्र के प्रति व्यक्ति के भीतर रागात्मक लगाव उसे उत्तराधिकार में प्राप्त होता है। वैसे ही जैसे राष्ट्र के प्राकृतिक संसाधन, इतिहास, परंपराएं, परिवेश और स्मृतियां हमें सहजात की तरह उत्तराधिकार में प्राप्त होती हैं। हमारा संविधान हमारे उसी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।

संविधान दिवस पर कुलपति डॉ. सुरिंदर कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने शुभकामनाएं दिया। आयोजन में आयुर्वेद विभाग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, पैरामेडिकल संकाय, फार्मेशी संकाय के सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थिति रहें।

व्याख्यान में प्रमुख रूप से अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह, पूजा सिंह, आंचल पाठक, अभिषेक चौरसिया, आदर्श मौर्या, आदित्य विश्वकर्मा, अमित कुमार चौधरी, अनुभव, आशुतोष मणि त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, हर्षव साहनी, कृष्णा त्रिपाठी, मोतीलाल, प्रियेश राम त्रिपाठी, सागर जायसवाल, सागर यादव, शिवम सिंह, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, अनुष्का गुप्ता, अस्मिता सिंह, चांदनी निषाद, द्रक्षा बानो, गौरी कुशवाहा, खुशी गुप्ता, निधि साहनी, निकिता, प्रीति शर्मा, ऋतु मौर्या, साक्षी प्रजापति, संजना शर्मा, शालनी चौहान, श्रद्धा उपाध्याय, कैडेट निलेश कुमार यादव, अनुभव पांडेय, सुरज कुमार, अरुण विश्वकर्मा, आलोक सिंह, शिखर पाण्डेय, अमन चौरसिया, आदित्य पांडेय, आदित्य सिंह, अभिषेक मिश्रा, रघुवीर प्रताप सिंह, राहुल यादव, विवेकानंद, अरविंद विश्वकर्मा,, ज्ञानेश्वर प्रताप मौर्या, रुद्र प्रताप सिंह, आलोक दिक्षित, शैलेंद्र कुमार, प्रज्ञा भारद्वाज, अंजली सिंह, अतिका तिवारी, ममता गुप्ता, वसुंधरा सिंह, गुड़िया कुशवाहा, अनुराधा, सृष्टि पांडेय, रोशनी त्यागी, अनुप्रिया, काजल, अर्पिता राय, कुमारी काजल गौतम, उजाला सिंह, पिंकी यादव, पार्वती साहनी उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के 76 वें स्थापना दिवस पर कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए मेजर डॉ. श्रीभगवान सिंह

दिनांक : 27 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 76 वें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के समस्त कैडेट्स द्वारा राष्ट्र सैन्य पथ वंदन और सांस्कृतिक सांझ का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में मुख्य वक्ता और प्रसिद्ध उद्घोषक मेजर डॉ. श्रीभगवान सिंह ने कैडेट्स को सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। मेजर डॉ. श्रीभगवान सिंह ने कहा की राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य प्रशिक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है सेना में जोश, साहस, अनुशासन और भाव का अर्पण होता है। एन.सी.सी. आपके जीवन शैली को बदल देता है। वर्दी के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए आपका टर्न आउट आपके व्यक्तित्व को निखारता है। कैडेट्स को निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र सेवा और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। कैडेट्स एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। इसके लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर के सभी कैडेट्स, सेवा अधिकारियों कर रहे है।

डॉ. श्रीभगवान सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। शिक्षा के साथ सैन्य अनुशासन का अभ्यास देश की रक्षार्थ प्रेरणा देता रहता है।

एनसीसी डे पर कैडेट्स ने सांस्कृतिक सांझ के मंच से सरस्वती वंदना, गणेश नृत्य, शिव तांडव, देश भक्ति गीत एवं नृत्य से राष्ट्रीय एकता का दर्शन कराया। सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रमुख रूप से अंशिका सिंह, पूजा सिंह, श्रद्धा उपाध्याय, आंचल पाठक, काजल गौतम, अर्पिता राय ने प्रस्तुति दिया। मंच संचालन पूजा सिंह और अंशिका सिंह ने किया। एनसीसी दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में इंटर ग्रुप प्रतियोगिता के प्रतिभागी सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, आशुतोष मणि त्रिपाठी, कृष्णा त्रिपाठी, के साथ आल इंडिया ट्रैकिंग कैंप के लिए सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, और कैडेट अनुभव को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का द्वितीय आयोजन अभूतपूर्ण है जो कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण देकर देश सेवा के लिए प्रेरित कर रहा है।

मुख्य वक्ता मेजर डॉ. श्रीभगवान सिंह जी को एनसी सी अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में एनसीसी सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, आदित्य विश्वकर्मा, कृष्णा त्रिपाठी, अनुभव, आशुतोष सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक, पूजा सिंह, निलेश कुमार यादव, अनुभव पांडेय, सुरज कुमार, अरुण विश्वकर्मा, आलोक सिंह, शिखार पाण्डेय, अमन चौरसिया, आदित्य पांडेय, आदित्य सिंह, अभिषेक मिश्रा, रघुवीर प्रताप सिंह, राहुल यादव, विवेकानंद, अरविंद विश्वकर्मा, ज्ञानेश्वर प्रताप मौर्या, रुद्र प्रताप सिंह, आलोक दिक्षित, शैलेंद्र कुमार, प्रज्ञा भारद्वाज, अंजली सिंह, अतिका तिवारी, ममता गुप्ता, वसुंधरा सिंह, गुड़िया कुशवाहा, अनुराधा, सृष्टि पांडेय, रोशनी त्यागी, अनुप्रिया, काजल, अर्पिता राय, काजल गौतम, उजाला सिंह, पिंकी यादव, पार्वती साहनी उपस्थित रहीं। आयोजन में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, और पैरामेडिकल संकाय के विद्यार्थी और शिक्षकगण उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय शिविर

राष्ट्रीय शिविर के कैडेट्स माननीय कुलपति के साथ

राष्ट्रीय कैडेट कोर

आईजीसी कैंप में ब्रिगेडियर दीपेन्द्र रावत के साथ कैडेट्स

दिनांक : 29 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने राष्ट्रीय शिविरो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने कड़े अभ्यास से राष्ट्रीय शिविरो में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार है जहां एकता और अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करके कैडेट्स देश सेवा के लिए संकल्पित होते है। एन.सी.सी. अधिकारी डॉ संदीप श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण राष्ट्रीय शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है। 102 यू.पी. बटालियन के अधिकारियों की देखरेख में कैडेट्स निरंतर नई उपलब्धियों से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रिपब्लिक डे कैंप के चयन प्रतियोगिता से पूर्व प्री–आर.डी.सी. प्रथम शिविर गाजियाबाद में गोरखपुर ग्रुप को आईडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला। आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता का नेतृत्व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने किया।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर कैडेट कृष्णा त्रिपाठी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ एडीजी परेड में कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी ड्रिल में सम्मिलित होकर गोरखपुर एन सीसी मुख्यालय का नेतृत्व किया। फ्लैग एरिया में सागर जायसवाल की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर गौरांवित किया है। इंटर ग्रुप शिविर प्रतियोगिता में सार्जेंट खुशी गुप्ता ने फ्लैग एरिया और ड्रिल प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आल इंडिया ट्रैकिंग शिविर श्रावस्ती में सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा और कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया ने सुहेलवा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी के विविध एडवेंचर में सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण किया। आल इंडिया गंगा टैगिंग शिविर बिजनौर में कैडेट अनुभव ने कुशल प्रशिक्षकों के नेतृत्व में ट्रैकिक प्रशिक्षण ग्रहण किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम, डॉ. डी. एस. अजीथा, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, प्रो. शशिकांत सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, एन. सी.सी. ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर दीपेंद्र रावत जी 102 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट अभिषेक मान सिंह जी, अडम आफिसर लेफ्टिनेंट मिथुन मिश्रा जी, जेसीओ सूबेदार धरेश माने जी ने बधाई और शुभकामनाएं दिया है।

जीएनएम छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का भ्रमण

गोरखपुर : गुरु श्रीगोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की जनरल नर्सिंग एं मिडवाइफरी (जीएनएम) प्रथम व की छात्राओं ने गुरुवार को वृद्धाश्र शिवपुर सहबाजगंज का शैक्षिक भ्रमण किया। सभी छात्राएं राष्ट्रीय सेव योजना की गार्गी इकाई से हैं।

वृद्धाश्रम की प्रभारी बेनेट एलएमसी ने छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्र का भ्रमण कराया। उन्होंने बताया कि यह एक धर्मार्थ ट्रस्ट है। इसक शाखाएं दुनियाभर में स्थापित हैं इसका संचालन स्थानीय लोगों द्वार उपलब्ध कराए गए धन से होता है छात्राओं ने वहां रहने वालों क स्वच्छता व मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। उनके साथ नृत्य गायन, खेल और व्यायाम किया। इस अवसर पर नेहा गोंड, नेहा कुमारी निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिं प्रथम उपस्थित रहीं। विज्ञप्ति।

जीएनएम छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई की जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी की देखरेख में शिवपुर साहबजगंज में स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण किया।

इस अवसर पर वृद्धाश्रम की प्रभारी बेनेट एलएमसी ने महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। उन्होंने बताया कि यह एक धर्मार्थ कार्य का ट्रस्ट है जिसकी शाखाएं दुनियाभर में स्थापित हैं। इसका संचालन स्थानीय लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से होता है। जिसका उद्देश्य निराश्रित लोगों को देखभाल एवं बेहतर जीवन प्रदान करना है ताकि वे बेहतर जीवन जी सकें और शांतिपूर्वक तरीके से जीवनयापन कर सकें। उन्होंने बताया कि वृद्ध लोगों को तीन के समूह में बांटा जाता हैए जहां उनकी सभी जरूरतों को पूरा किया जाता है। उन्हें विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों योग, ध्यान, संगीत चिकित्सा, नृत्य, चित्रकला आदि जैसे कौशल सिखाए जाते हैं।

वृद्धाश्रम भ्रमण के दौरान छात्राओं ने यहां रहने वालों को व्यक्तिगत स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक किया और उनके साथ नृत्य, गायन, खेल और व्यायाम जैसी गतिविधियां भी की। इस अवसर पर नेहा गोंड, नेहा कुमारी, निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिंह प्रथम, निक्की सिंह द्वितीय, निशा जायसवाल, निशा राजभर, पूजा, पूजा भारती, पूजा कुमारी, पूजा सिंह, पूनम गुप्ता, प्राची अग्रहरि प्रतिभा मौर्य, प्रीति राजभर, प्रिया, प्रिया सिंह, प्रिया यादव, प्रियंका गुप्ता, पुष्पा सोनकर, रानी सिंह, रंजना, रेहाना खातून, रीचा सिंह, रिंशु, रोशनी जायसवाल, रोशनी पाल, साक्षी, साक्षी सिंह, संजगीता पाल, संस्कृति सिंह, सरोज गुप्ता, सालिनी पासवान, शशिकला निषाद, शीतल, शिवानी शर्मा, श्वेता यादव, सोनम, सोनी कुशवाहा, सुकन्या, सुप्रिया जायसवाल, सुष्मिता राय, स्वाति चौरसिया, तन्नू सिंह प्रथम, तन्नू सिंह द्वितीय, यादव सिंधुजा, नगमा करीम, प्रतिभा पांडे, अंजलि आदि [illegible]ी।

जीएनएम छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 21 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई की जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी की देखरेख में शिवपुर साहबजगंज में स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण किया।इस अवसर पर वृद्धाश्रम की प्रभारी बेनेट एल.एम.सी. ने महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। उन्होंने बताया कि यह एक धर्मार्थ कार्य का

ट्रस्ट है जिसकी शाखाएं दुनियाभर में स्थापित हैं। इसका संचालन स्थानीय लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से होता है। जिसका उद्देश्य निराश्रित लोगों को देखभाल एवं बेहतर जीवन प्रदान करना है ताकि वे बेहतर जीवन जी सकें और शांतिपूर्वक तरीके से जीवनयापन कर सकें। उन्होंने बताया कि वृद्ध लोगों को तीन के समूह में बांटा जाता है, जहां उनकी सभी जरूरतों को पूरा किया जाता है। उन्हें विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों योग, ध्यान, संगीत चिकित्सा, नृत्य, चित्रकला आदि जैसे कौशल सिखाए जाते हैं। वृद्धाश्रम भ्रमण के दौरान छात्राओं ने यहां रहने वालों को व्यक्तिगत स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक किया और उनके साथ नृत्य, गायन, खेल और व्यायाम जैसी गतिविधियां भी की। इस अवसर पर नेहा गोंड, नेहा कुमारी, निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिंह प्रथम, निक्की सिंह द्वितीय, निशा जायसवाल, निशा राजभर,पूजा, पूजा भारती, पूजा कुमारी, पूजा सिंह, पूनम गुप्ता, प्राची अग्रहरि प्रतिभा मौर्य, प्रीति राजभर, प्रिया, प्रिया सिंह, प्रिया यादव, प्रियंका गुप्ता, पुष्पा सोनकर, रानी सिंह, रंजना, रेहाना खातून, रीचा सिंह, रिंशु, रोशनी जायसवाल, रोशनी पाल, साक्षी, साक्षी सिंह, संजगीता पाल, संस्कृति सिंह, सरोज गुप्ता, सालिनी पासवान, शशिकला निषाद, शीतल, शिवानी शर्मा, श्वेता यादव, सोनम, सोनी कुशवाहा, सुकन्या, सुप्रिया जायसवाल, सुष्मिता राय, स्वाति चौरसिया, तन्नू सिंह प्रथम, तन्नू सिंह द्वितीय, यादव सिंधुजा, नगमा करीम, प्रतिभा पाण्डेय,अंजलि आदि की सहभागिता रही।

जीएनएम छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई की जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी की देखरेख में शिवपुर साहबजगंज में स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण किया।
इस अवसर पर वृद्धाश्रम की प्रभारी बेनेट एलएमसी ने महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। उन्होंने बताया कि यह एक धर्मार्थ कार्य का ट्रस्ट है जिसकी शाखाएं दुनियाभर में स्थापित हैं। जिसका उद्देश्य निराश्रित लोगों को देखभाल एवं बेहतर जीवन प्रदान करना है ताकि वे बेहतर जीवन जी सकें और शांतिपूर्वक तरीके से जीवनयापन कर सकें। वृद्धाश्रम भ्रमण के दौरान छात्राओं ने यहां रहने वालों को व्यक्तिगत स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर नेहा गोंड, नेहा कुमारी, निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिंह प्रथम, निक्की सिंह द्वितीय, निशा, निशा राजभर,पूजा, पूजा भारती, पूजा कुमारी, पूजा सिंह, पूनम गुप्ता, प्राची अग्रहरि प्रतिभा मौर्य, प्रीति राजभर, प्रिया, प्रिया सिंह, प्रिया यादव, प्रियंका गुप्ता, पुष्पा, रानी सिंह, रंजना, रेहाना खातून, रीचा सिंह, रिंशु, रोशनी, रोशनी पाल, साक्षी, साक्षी सिंह, संजगीता आदि मौजूद रहीं।

जीएनएम छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण

कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी की देखरेख में शिवपुर साहबजगंज स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण किया

गोरखपुर मेल ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई की जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी की देखरेख में शिवपुर साहबजगंज में स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण किया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम की प्रभारी बेनेट एल.एम.सी. ने महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। उन्होंने बताया कि यह एक धर्मार्थ कार्य का ट्रस्ट है जिसकी शाखाएं दुनियाभर में स्थापित हैं। इसका संचालन स्थानीय लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से होता है। जिसका उद्देश्य निराश्रित लोगों को देखभाल एवं बेहतर जीवन प्रदान करना है ताकि वे बेहतर जीवन जी सकें और शांतिपूर्वक तरीके से जीवनयापन कर सकें। उन्होंने बताया कि वृद्ध लोगों को तीन के समूह में बांटा जाता है, जहां उनकी सभी जरूरतों को पूरा किया जाता है। उन्हें विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों योग, ध्यान, संगीत चिकित्सा, नृत्य, चित्रकला आदि जैसे कौशल सिखाए जाते हैं। वृद्धाश्रम भ्रमण के दौरान छात्राओं ने यहां रहने वालों को व्यक्तिगत स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक किया और उनके साथ नृत्य, गायन, खेल और व्यायाम जैसी गतिविधियां भी की। इस अवसर पर नेहा गोंड, नेहा कुमारी, निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिंह प्रथम, निक्की सिंह द्वितीय, निशा जायसवाल, निशा राजभर,पूजा, पूजा भारती, पूजा कुमारी, पूजा सिंह, पूनम गुप्ता, प्राची अग्रहरि प्रतिभा मौर्य, प्रीति राजभर, प्रिया, प्रिया सिंह, प्रिया यादव, प्रियंका गुप्ता, पुष्पा सोनकर, रानी सिंह, रंजना, रेहाना खातून, रीचा सिंह, रिंशु, रोशनी जायसवाल, रोशनी पाल, साक्षी, साक्षी सिंह, संजगीता पाल, संस्कृति सिंह, सरोज गुप्ता, सालिनी पासवान, शशिकला निषाद, शीतल, शिवानी शर्मा, श्वेता यादव, सोनम, सोनी कुशवाहा, सुकन्या, सुप्रिया जायसवाल, सुष्मिता राय, स्वाति चौरसिया, तन्नू सिंह प्रथम, तन्नू सिंह द्वितीय, यादव सिंधुजा, नगमा करीम, प्रतिभा पांडे, अंजलि आदि की सहभागिता रही।

वृद्ध आश्रम का भ्रमण करने पहुंची महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की छात्राएं।

जीएनएम छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का भ्रमण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई की जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं ने शिवपुर साहबजगंज में स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमन किया। इसका नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी ने किया। वृद्धाश्रम की प्रभारी बेनेट एलएमसी ने छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। इस अवसर पर नेहा गोंड, नेहा, निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिंह प्रथम, निक्की सिंह द्वितीय, निशा, निशा राजभर आदि रहीं।

चश्मे या लेंस से दूर हो सकते हैं नेत्र विकार : डॉ. देव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के ऑप्टोमेट्री विभाग में रिफ्रैक्टिव ऑप्थोमोलॉजी इन पीडियाट्रिक्स विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता सीनियर ऑप्टोमेट्रिस्ट एवं आर्थोप्टिस्ट डॉ. देव बी पांडेय ने बच्चों में होने वाले रिफ्रैक्टिव नेत्र विकार और उसके निदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पैरामेडिकल कॉलेज के हेड रोहित कुमार श्रीवास्तव, ऑप्टोमेट्री विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर कुंवर अभिनव सिंह राठौर द्वारा ने किया।

डॉ. देव बी पांडेय

छात्राओं ने किया वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई की जीएनएम प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी की देखरेख में शिवपुर साहबजगंज में स्थित वृद्धाश्रम का शैक्षिक भ्रमण किया।

इस अवसर पर वृद्धाश्रम की प्रभारी

■ व्यक्तिगत स्वच्छता व मानसिक स्वास्थ्य आदि के प्रति जीएनएम छात्राओं ने किया जागरूक

बेनेट एलएमसी ने महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को वृद्धाश्रम के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कराया। उन्होंने बताया कि यह एक धर्मार्थ कार्य का ट्रस्ट है जिसकी शाखाएं दुनियाभर में स्थापित हैं। इसका संचालन स्थानीय लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से होता है। जिसका उद्देश्य निराश्रित लोगों को देखभाल एवं बेहतर जीवन प्रदान करना है ताकि वे बेहतर और शांतिपूर्वक तरीके से जीवनयापन कर सकें। उन्होंने बताया कि वृद्ध लोगों को तीन के समूह में बांटा जाता है, जहां उनकी सभी जरूरतों को पूरा किया जाता है। उन्हें विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों योग, ध्यान, संगीत चिकित्सा, नृत्य, चित्रकला आदि जैसे कौशल सिखाए जाते हैं। छात्राओं ने यहां रहने वालों को व्यक्तिगत स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक किया और उनके साथ नृत्य, गायन, खेल और व्यायाम जैसी गतिविधियां भी की। इस अवसर पर नेहा गोंड, नेहा कुमारी, निहारिका, निकिता यादव, निक्की सिंह प्रथम, निक्की सिंह द्वितीय, निशा जायसवाल, निशा राजभर,पूजा, पूजा भारती, पूजा कुमारी, पूजा सिंह, पूनम गुप्ता, प्राची अग्रहरि, प्रतिभा मौर्य, प्रीति राजभर, प्रिया, प्रिया सिंह, प्रिया यादव, प्रियंका गुप्ता, पुष्पा सोनकर, रानी सिंह, रंजना, रेहाना खातून, रीचा सिंह, रिंशु, रोशनी जायसवाल, रोशनी पाल, साक्षी, साक्षी सिंह, संजगीता पाल, संस्कृति सिंह, सरोज गुप्ता, सालिनी पासवान, शशिकला निषाद, शीतल, शिवानी वर्मा, श्वेता यादव, सोनम, सोनी कुशवाहा, सुकन्या, सुप्रिया जायसवाल, सुष्मिता राय, स्वाति चौरसिया, तन्नू सिंह प्रथम, तन्नू सिंह द्वितीय, यादव सिंधुजा, नगमा करीम, प्रतिभा पाण्डेय एवं अंजलि आदि मौजूद रहीं।

वृद्धाश्रम में भ्रमण करने पहुंची गुरु गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग के रासेयो की छात्राएं।

राष्ट्र की अभिव्यक्ति है भारतीय संविधान : डॉ. शैलेश

संविधान दिवस पर महायोगी गोरखनाथ में व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर मेल ब्यूरो

गोरखपुर। संविधान दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी की तरफ से व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में

उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेश सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान राष्ट्र की अभिव्यक्ति है। इसकी प्रस्तावना वास्तव में भारतीयता की आत्मा है। डॉ. शैलेश ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व के श्रेष्ठ संविधानों में से एक है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतांत्रिक प्रणाली के संचालन में भारत ने अपनी दक्षता और परिपक्वता का सतत प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सामान्य अर्थों में संविधान, साहित्य के समान सरस विषय नहीं होता। यह तो राष्ट्र के विधि-विधान, आचरण, मान-मूल्य-मर्यादा, करणीय-अकरणीय का निदर्शन करता है। मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत का संविधान राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है ।क्षसंविधान दिवस पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी को शुभकामनाएं दीं। जबकि व्याख्यान के आयोजन में आयुर्वेद विभाग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, पैरामेडिकल संकाय, फार्मेसी संकाय के सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

राष्ट्र की अभिव्यक्ति है भारतीय संविधान:डॉ. शैलेश'

'संविधान दिवस पर महायोगी गोरखनाथ में व्याख्यान का आयोजन'

विशेष संवाददाता

गोरखपुर। संविधान दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

में एनसीसी की तरफ से व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेश सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान राष्ट्र की अभिव्यक्ति है। इसकी प्रस्तावना वास्तव में भारतीयता की आत्मा है। डॉ. शैलेश ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व के श्रेष्ठ संविधानों में से एक है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतांत्रिक प्रणाली के संचालन में भारत ने अपनी दक्षता और परिपक्वता का सतत प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सामान्य अर्थों में संविधान, साहित्य के समान सरस विषय नहीं होता। यह तो राष्ट्र के विधि–विधान, आचरण, मान–मूल्य–मर्यादा, करणीय–अकरणीय का निदर्शन करता है। मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत का संविधान राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। संविधान दिवस पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी को शुभकामनाएं दीं। जबकि व्याख्यान के आयोजन में आयुर्वेद विभाग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, पैरामेडिकल संकाय, फार्मेसी संकाय के सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

प्रतियोगिता में गोरखनाथ विवि के विद्यार्थियों ने बढ़ाया मान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत गोरखपुर परिक्षेत्र द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडेय और पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में सौरभ नंदिनी ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि पर दोनों विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय आदि ने बधाई दी है।

भाषण में शिवम, पोस्टर पेंटिंग में सौरभ नंदिनी को मिला पुरस्कार

गोरखपुर। सड़क सुरक्षा अभियान गोरखपुर परिक्षेत्र की ओर से आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडेय और पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में सौरभ नंदिनी ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। उपलब्धि पर दोनों विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय आदि ने बधाई दी है। ब्यूरो

उत्कर्ष ने बढ़ाया महायोगी गोरखनाथ विवि का मान

गोरखपुर मेल ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की पारिजात इकाई के स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह ने

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना की तरफ से बीआईटी पटना में आयोजित दस दिवसीय प्री-रिपब्लिक डे परेड शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। शिविर में प्रतिभाग करने के बाद वापस लौटने पर उत्कर्ष सिंह ने अपना प्रमाण पत्र कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह को प्रदान किया। इस उपलब्धि पर कुलपति समेत भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक आदि ने बधाई दी है।

उत्कर्ष ने बढ़ाया महायोगी गोरखनाथ विवि का मान'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की पारिजात इकाई के स्वयंसेवक

उत्कर्ष सिंह ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना की तरफ से बीआईटी पटना में आयोजित दस दिवसीय प्री–रिपब्लिक डे परेड शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। शिविर में प्रतिभाग करने के बाद वापस लौटने पर उत्कर्ष सिंह ने अपना प्रमाण पत्र कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह को प्रदान किया। इस उपलब्धि पर कुलपति समेत भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक आदि ने बधाई दी है।

मंडलीय प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ के विद्यार्थियों ने बढ़ाया मान

संवाददाता

गोरखपुर, 24 नवंबर। सड़क सुरक्षा अभियान गोरखपुर परिक्षेत्र द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडेय और पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में सौरभ नंदिनी ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर दोनों विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह, रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय आदि ने बधाई दी है।

उत्कर्ष ने बढ़ाया महायोगी गोरखनाथ विवि का मान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. सुरिदर सिंह को प्रमाणपत्र सौपते एनएसएस के स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह। सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

गोरखपुरः महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उत्कर्ष सिंह ने क्षेत्रीय निदेशालय पटना की ओर से बीआइटी पटना में आयोजित दस दिवसीय प्री-रिपब्लिक डे परेड शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। शिविर में प्रतिभाग करने के बाद वापस लौटने पर उत्कर्ष सिंह ने अपना प्रमाणपत्र कुलपति डा. सुरिंदर सिंह को प्रदान किया। इस उपलब्धि पर कुलपति सहित भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी डा. आयुष कुमार पाठक आदि ने बधाई दी है। (विज्ञप्ति)।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कैडेट सम्मानित

संवाददाता, गोरखपुर

सम्मानित किये गये एनसीसी कैडेट। अमृत विचार

अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने राष्ट्रीय शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेटों को सम्मानित किया। प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विवि के एनसीसी कैडेटों ने कड़े अभ्यास से राष्ट्रीय शिविरो में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रिपब्लिक डे कैंप के चयन से पूर्व प्री आरडीसी प्रथम शिविर गाजियाबाद में गोरखपुर ग्रुप को आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला। आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता का नेतृत्व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने किया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में कृष्णा त्रिपाठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एडीजी परेड में कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी ने ड्रिल में सम्मिलित होकर गोरखपुर एनसीसी मुख्यालय का नेतृत्व किया। फ्लैग एरिया में सागर की टीम ने द्वितीय स्थान किया। इंटर ग्रुप शिविर में सार्जेंट खुशी गुप्ता ने फ्लैग एरिया और ड्रिल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आल इंडिया ट्रैकिंग शिविर श्रावस्ती में सार्जेंट आदित्य और कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया ने सुहेलवा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी के विविध एडवेंचर में सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण किया।

एनसीसी सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार : प्रो. सुरिदर सिंह

भास्कर ब्यूरो

- **महायोगी गोरखनाथ विवि के कैडेट्स ने राष्ट्रीय शिविरो में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने राष्ट्रीय शिविरो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार है जहां एकता और अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करके कैडेट्स देश सेवा के लिए संकल्पित होते है।

प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने कड़े अभ्यास से राष्ट्रीय शिविरो में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रिपब्लिक डे कैंप के चयन से पूर्व प्री आरडीसी प्रथम शिविर, गाजियाबाद में गोरखपुर ग्रुप को आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला। आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता का नेतृत्व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने किया। इसी तरह सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर कैडेट कृष्णा त्रिपाठी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एडीजी परेड में कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी ने ड्रिल में सम्मिलित होकर गोरखपुर एनसीसी मुख्यालय का नेतृत्व किया।

एनसीसी सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार : प्रो. सुरिंदर

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने राष्ट्रीय शिविरो में उत्कृट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार है, जहां एकता और अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करके कैडेट्स देश सेवा के लिए संकल्पित होते हैं।

- **महायोगी गोरखनाथ विवि के कैडेट्स ने राष्ट्रीय शिविरों में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन**

प्रो. सिंह ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स ने कड़े अभ्यास से राष्ट्रीय शिविरों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। एनसीसी अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रिपब्लिक डे कैंप के चयन से पूर्व प्री आरडीसी प्रथम शिविर, गाजियाबाद में गोरखपुर ग्रुप को आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला। आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता का नेतृत्व महायोगी गोरखनाथ विवि के सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने किया। इसी तरह सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर कैडेट कृष्णा त्रिपाठी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एडीजी परेड में कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी ने ड्रिल में सम्मिलित होकर गोरखपुर एनसीसी मुख्यालय का नेतृत्व किया। फ्लैग एरिया में सागर जायसवाल की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर गौरांवित किया है। इंटर ग्रुप शिविर प्रतियोगिता में सार्जेंट खुशी गुप्ता ने फ्लैग एरिया और ड्रिल प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आल इंडिया ट्रैकिंग शिविर श्रावस्ती में सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा और करपोरल अभिषेक चौरसिया ने सुहेलवा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी के विविध एडवेंचर में सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण किया।आल इंडिया गंगा ट्रैगिंग शिविर बिजनौर में कैडेट अनुभव ने कुशल प्रशिक्षकों के नेतृत्व में प्रशिक्षण ग्रहण किया।

गोरखनाथ विवि के छात्रों ने दिखाया दम

गोरखपुर। सड़क सुरक्षा अभियान गोरखपुर परिक्षेत्र द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय भाषण प्रतियोगता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडेय और पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में सौरभ नंदिनी ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. सुनील सिंह, धनंजय पांडेय आदि ने बधाई दी है।

गोरखपुर ग्रुप को आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में मिला प्रथम स्थान

गाजियाबाद में महायोगी गोरखनाथ विवि के कैडेट्स ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

अमर उजाला ब्यूरो

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित करते कुलपति। स्रोत -संस्था

गोरखपुर। रिपब्लिक डे कैंप के चयन से पूर्व प्री आरडीसी प्रथम शिविर, गाजियाबाद में गोरखपुर ग्रुप को आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला है। प्रतियोगिता का नेतृत्व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स कर रहे थे। शुक्रवार को इन कैडेट्स को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार है, जहां एकता और अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करके कैडेट्स देश सेवा के लिए संकल्पित होते हैं। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता का नेतृत्व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने किया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में कैडेट कृष्णा त्रिपाठी ने प्रथम स्थान हासिल किया।

एडीजी परेड में कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और ड्रिल में कृष्णा त्रिपाठी ने नेतृत्व किया। फ्लैग एरिया में सागर जायसवाल की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इंटर ग्रुप शिविर प्रतियोगिता में सार्जेंट खुशी गुप्ता ने फ्लैग एरिया और ड्रिल प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आल इंडिया ट्रैकिंग शिविर श्रावस्ती में सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा और कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया ने सुहेलवा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी के विविध एडवेंचर में सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण किया।

सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार है एनसीसी

गोरखनाथ विवि

एनसीसी कैडेटों को राष्ट्रीय शिविरों में बेहतर प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने राष्ट्रीय शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर सैन्य सेवा का स्वर्णिम द्वार है, जहां एकता और अनुशासन के साथ सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण करके कैडेट देश सेवा के लिए संकल्पित होते है।

प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट ने कड़े अभ्यास से राष्ट्रीय शिविरो में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रिपब्लिक डे कैंप के चयन से पूर्व प्री आरडीसी प्रथम शिविर, गाजियाबाद में गोरखपुर ग्रुप को आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला। आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता का नेतृत्व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और आशुतोष मणि त्रिपाठी ने किया।

इसी तरह सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर कैडेट कृष्णा त्रिपाठी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एडीजी परेड में कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी ने ड्रिल में सम्मिलित होकर गोरखपुर एनसीसी मुख्यालय का नेतृत्व किया। फ्लैग एरिया में सागर जायसवाल की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इंटर ग्रुप शिविर प्रतियोगिता में सार्जेंट खुशी गुप्ता ने फ्लैग एरिया और ड्रिल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आल इंडिया ट्रैकिंग शिविर श्रावस्ती में सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा और कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया ने सुहेलवा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी के विविध एडवेंचर में सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in